भारत सरकार
भारी उद्योग एवं लोक उद्यम मंत्रालय
भारी उद्योग विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 3324
16 मार्च, 2021 को उत्तर के लिए नियत

''समर्थ उद्योग भारत 4.0 योजना''

3324. श्री तेजस्वी सूर्याः

क्या **भारी उद्योग और लोक उद्यम** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) उन औद्योगिक क्षेत्रों का ब्यौरा क्या है, जिनमें सरकार 'समर्थ उद्योग भारत 4.0' के अंतर्गत उद्योग 4.0' को विनियमित करने की प्राथमिकता देती है;

(ख) क्या भारी उद्योग विभाग ने 'समर्थ उद्योग भारत 4.0' के अंतर्गत बंगलुरू और कर्नाटक के अन्य हिस्सों में जागरूकता अभियान और कार्यशालाएं आयोजित की हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या उद्योग 4.0 क्रांति की प्रक्रिया में निजी क्षेत्र के नवप्रवर्तनकर्ताओं को लाने के लिए सरकार के पास बंगलुरु में नोडल संस्थान हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
भारी उद्योग और लोक उद्यम राज्य मंत्री
(श्री अर्जुन राम मेघवाल)

(क) से (ग) : भारतीय पूंजीगत वस्तु क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा संवर्धन स्कीम के अंतर्गत भारी उद्योग विभाग ने समर्थ (स्मार्ट उन्नत विनिर्माण और त्वरित रुपांतरण हब) उद्योग के रुप में एक ऐसे पारितंत्र की प्रसुविधा और सृजन की पहल की है जिसमें भारतीय विनिर्माता उद्योग 4.0 तथा सdमार्ट विनिर्माण को अंगीकृत कर सकें।

चार समर्थ उद्योग केंद्र भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान-दिल्ली, भारतीय विज्ञान संस्थान- बेंगलुरू, केंद्रीय विनिर्माणकारी प्रौद्योगिकी संस्थान (सीएमटीआई), बेंगलुरू और किर्लोस्कर,पुणे में स्थापित किए गए हैं। समर्थ उद्योग पहल के अंतर्गत उद्योग जगत ने इन संस्थानों के साथ साझेदारी की है और उक्त केंद्रों को विभाग (80 प्रतिशत) और उद्योग भागीदारों (20 प्रतिशत) द्वारा संयुक्त रुप से वित्तपोषित किया गया है।

इन केंद्रों के माध्यम से स्मार्ट विनिर्माण अंगीकरण, उनकी पारंपरिक मशीनों के स्तरोन्नयन और नवीनतम प्रौद्योगिकियों व प्रक्रियाओं के लिए उपलब्ध विकल्पों के प्रदर्शन के द्वारा भारतीय उद्योग

जगत को जागरुक बनाया जा रहा है। वर्ष 2019-20 के दौरान इस विभाग ने भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई), फिक्की, ईईपीसी और भारत में समर्थ उद्योग 4.0 केंद्रों के साथ मिलकर कर्नाटक सहित औद्योगिक केंद्रों में 24 जागरुकता संगोष्ठियों का आयोजन किया। वर्तमान वित्त वर्ष में, ये समर्थ उद्योग 88 वेबिनारों/प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन कर रहे हैं और इसके अतिरिक्त जांच टूल उपलब्ध करा रहे हैं और केंद्र स्मार्ट विनिर्माण के अंगीकरण हेतु उद्योग की सहायता कर रहे हैं।

*****